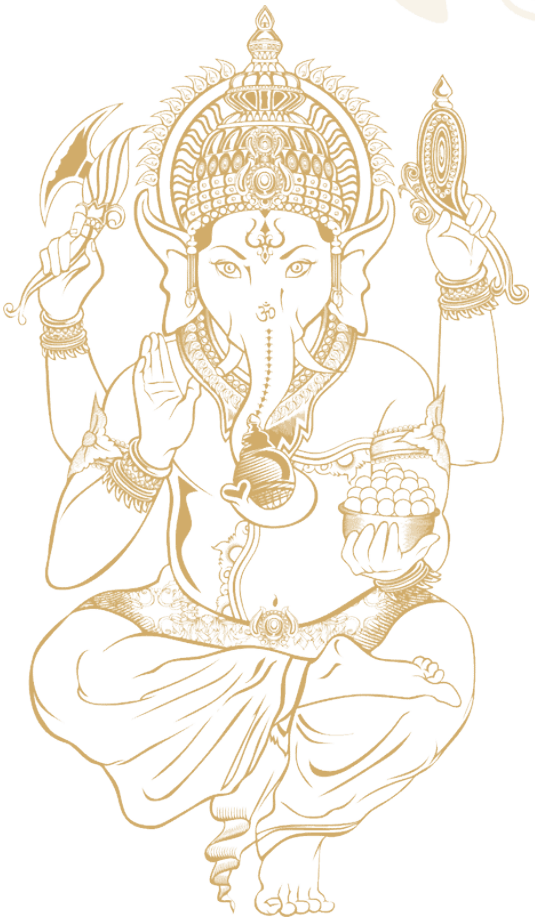

31 Dec 2025

11:51 AM

Ayodhya

Model: web-freekundliweb

Order No: 120924202

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**31/12/2025**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**11:51:00 घंटे**
इष्ट	12:32:38 घटी
स्थान	**Ayodhya**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:47:00 उत्तर
रेखांश	82:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:01:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:49:48 घंटे
वेलान्तर	-00:02:59 घंटे
साम्पातिक काल	18:29:32 घंटे
सूर्योदय	06:49:56 घंटे
सूर्यास्त	17:18:48 घंटे
दिनमान	10:28:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	15:35:52 धनु
लग्न के अंश	16:03:21 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	साध्य
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	इ-ईश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

आचार्य उज्ज्वल कृष्ण शास्त्री जी
श्री धाम अयोध्या जी (सारंगापुर)
7906311562 , 7388947439
Ujjwalkrishna7388@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	16:03:21	499:06:44	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	---
सूर्य			धनु	15:35:52	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			वृष	01:31:29	14:50:24	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
मंगल		अ	धनु	17:54:11	00:45:57	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	मित्र राशि
बुध			धनु	03:18:36	01:31:16	मूल	1	19	गुरु	केतु	सूर्य	सम राशि
गुरु	व		मिथु	27:13:54	00:07:48	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	14:03:35	01:15:30	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
शनि			मीन	01:54:11	00:03:26	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	16:49:58	00:07:44	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	16:49:58	00:07:44	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:44:52	00:01:41	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:16:34	00:00:43	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	08:28:29	00:01:48	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	12:33:43	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:18

लग्न-चलित

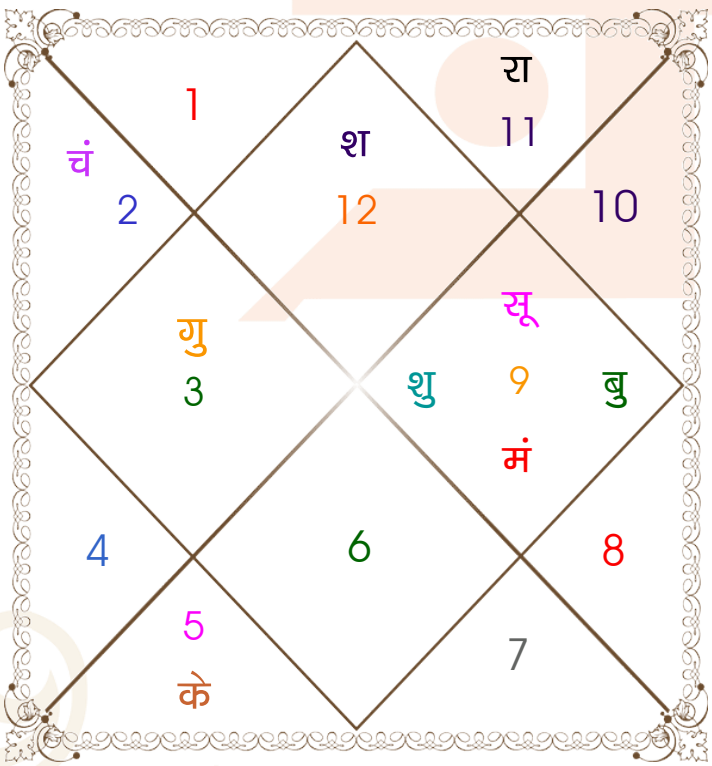

चन्द्र कुंडली

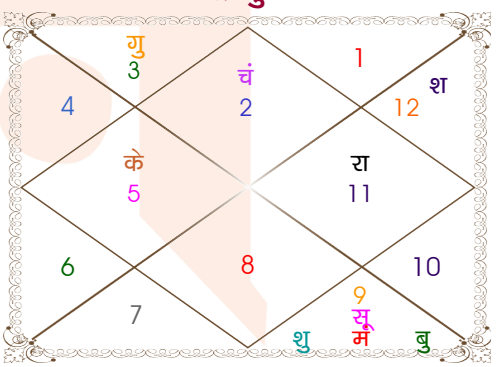

नवमांश कुंडली

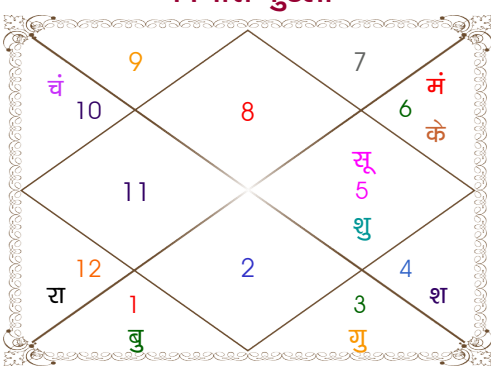

आचार्य उज्ज्वल कृष्ण शास्त्री जी
श्री धाम अयोध्या जी (सारंगापुर)
7906311562 , 7388947439
Ujjwalkrishna7388@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 9 मास 23 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
31/12/2025		24/10/2029		25/10/2039		24/10/2046		24/10/2064	
24/10/2029		25/10/2039		24/10/2046		24/10/2064		24/10/2080	
	00/00/0000	चंद्र	24/08/2030	मंगल	22/03/2040	राहु	06/07/2049	गुरु	12/12/2066
	00/00/0000	मंगल	25/03/2031	राहु	09/04/2041	गुरु	30/11/2051	शनि	24/06/2069
	00/00/0000	राहु	23/09/2032	गुरु	16/03/2042	शनि	06/10/2054	बुध	30/09/2071
	31/12/2025	गुरु	23/01/2034	शनि	25/04/2043	बुध	24/04/2057	केतु	05/09/2072
गुरु	30/08/2026	शनि	25/08/2035	बुध	21/04/2044	केतु	13/05/2058	शुक्र	07/05/2075
शनि	12/08/2027	बुध	23/01/2037	केतु	17/09/2044	शुक्र	13/05/2061	सूर्य	23/02/2076
बुध	18/06/2028	केतु	24/08/2037	शुक्र	17/11/2045	सूर्य	06/04/2062	चंद्र	24/06/2077
केतु	24/10/2028	शुक्र	25/04/2039	सूर्य	25/03/2046	चंद्र	06/10/2063	मंगल	31/05/2078
शुक्र	24/10/2029	सूर्य	25/10/2039	चंद्र	24/10/2046	मंगल	24/10/2064	राहु	24/10/2080

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
24/10/2080		25/10/2099		25/10/2116		26/10/2123		26/10/2143	
25/10/2099		25/10/2116		26/10/2123		26/10/2143		00/00/0000	
शनि	28/10/2083	बुध	23/03/2102	केतु	23/03/2117	शुक्र	24/02/2127	सूर्य	12/02/2144
बुध	07/07/2086	केतु	20/03/2103	शुक्र	23/05/2118	सूर्य	24/02/2128	चंद्र	13/08/2144
केतु	15/08/2087	शुक्र	18/01/2106	सूर्य	28/09/2118	चंद्र	25/10/2129	मंगल	19/12/2144
शुक्र	15/10/2090	सूर्य	25/11/2106	चंद्र	29/04/2119	मंगल	25/12/2130	राहु	12/11/2145
सूर्य	27/09/2091	चंद्र	25/04/2108	मंगल	25/09/2119	राहु	25/12/2133	गुरु	01/01/2146
चंद्र	27/04/2093	मंगल	22/04/2109	राहु	13/10/2120	गुरु	25/08/2136		00/00/0000
मंगल	06/06/2094	राहु	10/11/2111	गुरु	18/09/2121	शनि	26/10/2139		00/00/0000
राहु	12/04/2097	गुरु	15/02/2114	शनि	28/10/2122	बुध	25/08/2142		00/00/0000
गुरु	25/10/2099	शनि	25/10/2116	बुध	26/10/2123	केतु	26/10/2143		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 9 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

आचार्य उज्ज्वल कृष्ण शास्त्री जी
श्री धाम अयोध्या जी (सारंगापुर)
7906311562 , 7388947439
Ujjwalkrishna7388@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के चत्तुर्थ चरण में मीन लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर लग्नोदय के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण भी उदित था। अंत में आपके जीवन की परियोजना की आकृति आपको विपुल संपत्ति से युक्त एवं समृद्धिशाली बनाता है। परंतु आपके सामने अबरुद्धता पेश आएगी। यह अवरुद्धता अनिश्चितता की ओर सूचित करता है तथा वृश्चिक नवमांश बिन्दु संभावित मनोवृति के अनुसार आपको अर्थहीन एवं रोगादि की सूचना देते हैं। परंतु आपकी जन्म यह सूचित करता है कि आपका जन्म नवमांश प्रभाव एवं जन्मराशि तथा भाग्य के मध्य प्रतिद्वन्द्विता उत्पन्न करता है। अंत में जन्म लग्न मीन एवं उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र यह दोनों अपनी शुभता के अनुसार आपके जीवन को स्वस्थ, धनी, आनंदायक बनाने के लिए बचन बद्ध होकर आशांवित करता है।

इसलिए परिस्थिति के अनुकूल आपकी पकड़ के प्रभाव से आपकी संपूर्ण उन्नति संभाव्य है जबकि आप अवरोधक तत्व को जीवन की सफलता हेतु हटा दे। आपमें इन मुद्दों को संघर्ष पूर्वक निरस्तर एवं पराजित करने के आवश्यक गुण विद्यमान है। आप निश्चित रूप से उभर कर उच्च पद प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दो विशेषताओं का परित्याग करना पड़ेगा। वासना एवं आकर्षित होना यह दोनों आदतें बुरी हैं। आपके जीवन में वासना के प्रति सम्मोहित हो जाना तथा रूचिवान बनना महत्त्वपूर्ण वस्तु है, तथा मद्यपान के प्रति बहुत अधिक प्रभावित होना। यह एक शाप के समान है। आप सावधानी पूर्वक इस प्रवृति का परित्याग करें। अन्यथा आप इन चीजों में आसक्त हो जाएंगे।

यदि आप इन दो नकारात्मक वस्तुओं पर विजय प्राप्त कर लिए तो निश्चित रूप से सुखद बात-चीत के योग्य अपना जीवन व्यतीत कर सकते हैं तथा धन्नादि के संबंध में बहुत प्राप्ति कर सकेंगे। परंतु आपको अपने फिजूल खर्चीली प्रवृति के प्रति विमुख होना होगा। यदि इसी प्रकार की फिजूल खर्ची के माध्यम से धन बाहर निकलता रहा तो आपकें धन प्राप्ति के माध्यम दुर्बल हो जाएंगे। इस प्रकार यदि आप अपने जीवन में एक मत से अपने कार्य व्यवसाय के प्रति सुनिश्चित होकर कार्यान्वित करतें रहे तो आप अपने कार्य-व्यवसाय में उच्चता प्राप्त कर सकते हैं। आप एक प्यारी पत्नी आज्ञाकारी पुत्र एवं प्रपौत्र के साथ प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन यापन करेंगे।

आप अच्छी प्रकार बुद्धिमत्ता पूर्वक अपने अधिनस्थ प्रबंध व्यवस्था कर लिए तो आप समाज में विख्यात एवं प्रतिष्ठित होंगे। आप सर्वथा अपने मित्र मंडली के साथ संबंधित रहेंगे। लेकिन आप सतर्कतापूर्वक यह अंगीकृत करना चाहिए कि आपके कुछ मित्र कुटिलतापूर्वक आपके विरुद्ध आचरण करेंगे। अतएव सर्वप्रथम उनकी मनोवृति का गहन अध्ययन कर के ही उन पर विश्वास किया जाए।

वैसे मीन राशीय प्राणी सामान्यतः भावुक होते हैं परंतु आप इस प्रवृति से परे हैं। यह गुण आपको आश्चर्यजनक स्तर का निर्माण कराता है। इस प्रकार यदि आप

बुद्धिमत्तापूर्वक काव्य की रचना अथवा चित्रकारिता अथवा गायन के प्रति रूचिवान रहे तो एक सफल गायक कलाकार हो सकते हैं तथा कलाकारिता के क्षेत्र में चमत्कृत हो सकते हैं। आप हर दृष्टिकोण से धार्मिक बुद्धि के व्यक्ति हैं। आप भगवान के प्रति श्रद्धा और विश्वास रखते हैं। यदि आप बार-बार या सतत धार्मिक आचरण करते रहे तो जीवन में आपकी महत्वकांक्षा विकसित होगी तथा पुर्नजन्म के बंधन से मुक्त हो कर मोक्ष की प्राप्ति करेंगे।

यदि आप अपने जीवन पथ पर किसी भी प्रकार से अग्रसर होना चाहते हैं तो उत्तम यह है कि निम्नांकित निर्देशों का पालन करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम मंगलवार, गुरुवार एवं शनिवार का दिन भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन प्रतिकूल है। इन दिनों किसी भी प्रकार का महत्त्वपूर्ण कार्य अथवा व्यवसाय आदि का निर्णय या व्यवहार न करें।

आप रंगों में नीले रंग को छोड़ कर शेष रंग लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीले रंग का उपयोग अपने जीवन में करें। ये रंग आपके हित अनुकूल एवं प्रसन्नतादायक है।

आचार्य उज्ज्वल कृष्ण शास्त्री जी
श्री धाम अयोध्या जी (सारंगापुर)
7906311562 , 7388947439
Ujjwalkrishna7388@gmail.com